

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग परिचय : प्रश्नपत्र - १

रविवार, ५ मार्च, २०१७

समय : सुबह ९.०० से ११.१५

कुल गुण : ७५



अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुकसान मत किजिए ।

☞ अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है ☞

बिना वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।

परीक्षार्थी का जन्म दिन दिनांक महिना वर्ष

परीक्षार्थी का अभ्यास

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरीक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर

☞ पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।

परीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षक की नोंध :-

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (४)	
	६ (४)	

विभाग-१, कुल गुण (३३)

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (४)	
	९ (५)	
	१० (४)	
	११ (६)	
	१२ (४)	

विभाग-२, कुल गुण (३२)

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
-------------------------	---------------------	------------

विभाग-३, कुल गुण

१३ (१०)

मोडरेशन विभाग माटे ४

गुण आंकडां

शब्दोमां

येकरनुं नाम

परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ

१. परीक्षार्थी सत्संग प्रारंभ से प्राज्ञ - ३ तक की क्रमशः हर परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद ही अगली परीक्षा दे सकते हैं ।
२. सत्संग शिक्षण परीक्षा के मुख्य दिन परीक्षार्थी के नामलिखित मुख्य पृष्ठ परीक्षा कार्यालय द्वारा प्रिन्ट करके भेजा जाता है । उसके अनुसार ही परीक्षार्थी को परीक्षा की श्रेणी (प्रारंभ, प्रवेश, परिचय आदि...) एवं माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) में परीक्षा देनी होगी । इसमें किसी प्रकार का परिवर्तन करके दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।
३. परीक्षार्थी को पूर्वकसौटी के प्रश्नपत्र की श्रेणी (प्रारंभ, परिचय, प्राज्ञ-१, केवल प्रथम....) एवं परीक्षा के माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) अनुसार ही मुख्य परीक्षा देनी होगी । पूर्वकसौटी की जानकारी के अनुसार परीक्षा केन्द्र के मुख्य परीक्षा कार्यकर्ता को अंतिमसूची (Final List) भेजी जाती है, उसके अनुसार ही मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा देनी होगी । अंतिमसूची से अलग दिये गए विवरणवाली परीक्षा रद्द मानी जाएगी और ऐसी उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।
४. मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा खंड में उपस्थित हर एक परीक्षार्थी अपनी नामलिखित उत्तर पुस्तिका लेकर तथा उसमें मांगा गया अन्य विवरण (जन्म दिनांक, शिक्षा) लिखकर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर अवश्य करवा लें । वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर बिना लिखी गई उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।
५. परीक्षार्थी केवल ब्लू या काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखें । पेन्सिल अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखी गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।
६. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे । अस्पष्ट और पढ़ा न जा सके, ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावटवाली उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।
७. परीक्षा खंड के बाहर अथवा अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।
८. सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व अनुमति के बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'स्थानापन्न' या 'सबस्टीट्यूट राइटर' अथवा 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका रद्द मानी जाएगी ।
९. सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद को पूर्व अवगत किए बिना, रजिस्टर्ड परीक्षा केन्द्र के बदले में अन्य परीक्षा केन्द्र से दी गई परीक्षा रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।
१०. सत्संग प्रवेश, परिचय, प्रवीण एवं सत्संग प्राज्ञ (प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्रों में रजिस्टर्ड हुए) के लिए परीक्षार्थियों को दोनों प्रश्नपत्रों की परीक्षा देनी अनिवार्य है । किसी भी एक ही प्रश्नपत्र की दी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।
११. मुख्य परीक्षा के दिन उत्तर पुस्तिका के अलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।
१२. परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है ।
१३. प्राज्ञ की परीक्षा का फॉर्म भरने से पहले निम्नलिखित मुद्दे ध्यान में रखें ।
 - परीक्षार्थी एक ही साल में दोनो प्रश्नपत्र दे सकता है । अथवा पहले साल में पहला प्रश्नपत्र और दूसरे साल में दूसरा प्रश्नपत्र दे सकता है । पहले प्रश्नपत्र में उत्तीर्ण (पास) होने के बाद ही दूसरा प्रश्नपत्र दिया जा सकता है । प्राज्ञ परीक्षा में केवल प्रथम प्रश्नपत्र या दूसरा प्रश्नपत्र देनेवाले को उत्तीर्ण होने के लिए उस प्रश्नपत्र में ४५ अंक प्राप्त करना आवश्यक है ।
 - जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनो प्रश्नपत्र में रजिस्ट्रेशन कराया हो और यदि वह परीक्षार्थी किसी एक प्रश्नपत्र में ही उपस्थित रहता है और दूसरे प्रश्नपत्र में अनुपस्थित रहता है, तो एक प्रश्नपत्र की दी गई उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा । जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र दिए हों, उसे उत्तीर्ण होने के लिए ९० अंक प्राप्त करने होंगे ।
 - प्राज्ञ परीक्षा देने वाले सभी परीक्षार्थी कृपया ध्यान रखें कि जो परीक्षार्थी अलग-अलग साल में प्रश्नपत्र प्रथम और प्रश्नपत्र दूसरा देते हैं, उनको प्रथम प्रश्नपत्र ४५ या उससे ज्यादा अंक से उत्तीर्ण करने के बाद दूसरा प्रश्नपत्र ज्यादा से ज्यादा एक ही साल के विराम के बाद देना होगा । एक से ज्यादा साल की अनुपस्थिति के बाद दिया हुआ दूसरा प्रश्नपत्र स्वीकृत नहीं होगा । ऐसे परीक्षार्थी को पुनः प्राज्ञ का प्रथम प्रश्नपत्र अथवा दोनों प्रश्नपत्र देने होंगे ।
 - प्राज्ञ परीक्षा के पारितोषिक विजेता की सूची में आनेवाले परीक्षार्थी में से जिन्होंने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र एक साथ एक ही साल में दिया हो, उनको १० प्रतिशत (फिसदी) अंक पुरस्कार के रूप में दिए जाएंगे और इस तरह परीक्षार्थी पुरस्कार के योग्य माना जाएगा ।
 - नोंध : जिस परीक्षार्थी ने भारत की प्रवीण परीक्षा उत्तीर्ण की हो, ऐसे ही परीक्षार्थी प्राज्ञ-१ परीक्षा दे सकते हैं ।
१४. अवैद्य रजिस्ट्रेशन !!! परिणाम नहीं मिलेगा !!!

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १ गुण - ९	नाम
----------------------------------	--------------------	-----

स.शि.प./मार्च १७/१३५

परिचय-१

विभाग - १ : सहजानंद चरित्र

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। (कुल गुण : ९)

१. “यदि मंदिर बनता है तो हम हर प्रकार से सहायता करेंगे।”

कौन कहता है? किसको कहता है?

कब कहता है?

..... गुण : ३

२. “आप यहाँ से अभी निकल जाइए।”

कौन कहता है? किसको कहता है?

कब कहता है?

..... गुण : ३

३. “वहाँ तो पढ़े-लिखे साधु को ही भेजना चाहिए, ये तो उतने पढ़े-लिखे नहीं हैं।”

कौन कहता है? किसको कहता है?

कब कहता है?

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक **९** केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. २ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए। (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. महाराज ने मेमका के चारों हरिभक्तों को मेमका छोड़ने की प्रतिज्ञा करवाई।

.....
.....
.....

..... गुण : २

२. पीपलाणा में बरगद के पेड़ में निवास करनेवाले भूतों बदरीकाश्रम में गए।

.....
.....
.....

..... गुण : २

परिचय-प्रथम/१

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ३ गुण - ५		नाम	प्र - ४ गुण - ५		नाम	प्र - ५ गुण - ४		नाम
----------------------------------	--------------------	--	-----	--------------------	--	-----	--------------------	--	-----

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। (कुल गुण : ५)

१. वरजांग जालिया में महाराज को कितने उपवास हुए?

गुण : १

.....

२. महाराज ने आणंद जाने के लिए क्यों मना कर दी?

गुण : १

.....

३. गुणातीतानन्द स्वामी के मस्तक पर तिलक करके श्रीहरि ने क्या कहा?

गुण : १

.....

४. महाराज ने मयाराम भट्ट को क्या काटने में मदद की?

गुण : १

.....

५. महाराज को देखकर सुवासिनी भाभी को क्या हुआ?

गुण : १

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ५ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें।
(कुल गुण : ४)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा।

१. बुरा स्वभाव छोड़ना

गुण : २

(१) ☐ धातु मात्र का परित्याग रखना।

(२) ☐ जमीन जागीर सम्बन्धी बातें करनी चाहिए।

(३) ☐ प्रातःकाल से शाम तक बछेरा को लाठी का स्पर्श करवाया।

(४) ☐ स्वभाव में ऐसी कोई बात हो तो छोड़ देनी चाहिए।

२. 'मीठा व्हाला केम विसरुं?'

गुण : २

(१) ☐ एक दिन में चालीस कोस चले।

(२) ☐ अपने थाल से स्वामी को प्रसाद देते थे।

(३) ☐ मुक्तानंद स्वामी ने सभी को सान्त्वना दी।

(४) ☐ तीन दिन में पहुँचे।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ६ गुण - ४		नाम	प्र - ७ गुण - ९		नाम
----------------------------------	--------------------	--	-----	--------------------	--	-----

प्र. ६ निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए। (कुल गुण : ४)

- श्रीहरि ने हरिभक्त को के उत्सव की सभा में अक्षरधाम की भेंट दी। गुण : १
- श्रीहरि ने भूज में संवत् में देव की प्रतिष्ठा की। गुण : १
- में मि. एन्डरसन ने स्वामी को महाराज की अच्छी तरह देखभाल करने को कहा। गुण : १
- महाराज ने मंदिर के पास संघ के सभी सदस्यों को अंजलि भर कर दी। गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक   केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग - २

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। (कुल गुण : ९)

- “अतः सब चिन्ता छोड़ दो। त्यागी बनो और मेरे साथ रहो।”
कौन कहता है ? किसको कहता है ?
कब कहता है ?
गुण : ३
- “तब इस क्षेत्र में आकर मुझसे मिलना।”
कौन कहता है ? किसको कहता है ?
कब कहता है ?
गुण : ३
- “तुम लोग कभी भी मेरे से या श्रीजीमहाराज से दूर नहीं रहोगे।”
कौन कहता है ? किसको कहता है ?
कब कहता है ?
गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक   केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए। (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ४)

- गुणातीतानन्द स्वामी ने सोने की थाली में लकड़ी का पात्र रख कर भोजन किया।
.....
.....
.....
गुण : २

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ९ गुण - ५		नाम	प्र - १० गुण - ४		नाम	प्र - ११ गुण - ६		नाम
----------------------------------	--------------------	--	-----	---------------------	--	-----	---------------------	--	-----

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक **३३** **३३** केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। (कुल गुण : ४)

१. जागा भक्त ने स्वामी की जो बातें लिखी थी वह किस प्रकरण में है ?

गुण : १	
---------	--

२. प्रेमानन्द स्वामी की भक्ति और काव्य-शक्ति की प्रशंसा करते हुए महाराज क्या देते थे ?

गुण : १	
---------	--

३. अयोध्याप्रसादजी महाराज किस स्वामी से पूज्यभाव रखते थे ?

गुण : १	
---------	--

४. कौन-सा मन्दिर बनवाने में नित्यानन्द स्वामी ने गहरी रुचि ली थी ?

गुण : १	
---------	--

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक **३३** **३३** केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.११ निम्नलिखित विषय के लिए सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को पंक्तिक्रम के अनुसार लिखिए। (कुल गुण : ६)

विषय : सजनी सांभळो रे,..... सिर्फ दूसरे पद की पंक्तियाँ

१. शोभा शी कहुं रे, नीरखी लाजे कोटिक काम। २. अंगो अंगमां रे, जाणीये उगिया अगणित सूर। ३. सजनी ते समे रे, धन्य धन्य नीरख्यां तेनां भाग्य। ४. प्रेमानन्दनां रे, जोतां तृप्त न थाये नेण। ५. वालप वेणमां रे, नेणां करुणामां भरपुर। ६. मस्तक ऊपरे रे, बांध्युं मोळीडुं अमूल्य। ७. रसरूप मूरति रे, श्रीहरि केवल करुणाकंद। ८. सुंदर शोभता रे, अंगे सजिया छे शणगार। ९. धरीने मूरति रे, जाणे आव्यो रस शृंगार। १०. प्रेमानन्द तो रे, ए छबी नीरखी थयो निहाल। ११. हसतां हेतमां रे, सौने देतां सुख आनंद। १२. रेशमी कोरनो रे, करमां साह्यो छे रूमाल।

(१) केवल सही क्रमांक

--	--	--	--	--	--

 गुण : ३

(२) यथार्थ पंक्तिक्रम

--	--	--	--	--	--

 गुण : ३

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे। (२) यथार्थ पंक्तिक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक **३३** **३३** केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

